सार

उच्च शिक्षा संस्थानों में शामिल किए जान□और गुणवत्ता पर वि□ार किए जान□पर लिंग आधारित शासन महत्वपूर्ण आयाम बन रहा है। लिंग शासन स□जुड़□□वधारणात्मक कारक ज्वलंत और □ंतर-खंडीय और सामाजिक संर□नाओं की जटिलताओं में उलझ□हुए हैं। □ध्ययन डबल गुना था, एक सामाजिक-सांस्कृतिक संदर्भ और भावनात्मक बुद्धिमत्ता को समझन□का और दूसरा केंद्रीय और राज्य विश्वविद्यालयों क□बी□ शासन में शामिल महिला संकायों की राय रखन□का। □ध्ययन क□निष्कर्ष न क□वल □नौतियों और कैरियर की सफलता पर काबू पान□क□लिए रणनीतियों की प□शकश करत□हैं, बल्कि महत्वपूर्ण कारकों पर गहन ज्ञान भी बहात□हैं जो उच्च शिक्षा में महिलाओं क□शासन की भूमिका को प्रभावित करत□हैं।

इस □ध्ययन क□लिए शोधकर्ता न□60 महिला शिक्षकों का एक नमूना लिया, जो दो केंद्रीय विश्वविद्यालयों और हरियाणा और राजस्थान क□दो राज्य सरकारी विश्वविद्यालयों स□उच्च शिक्षण संस्थानों में शासन क□पदों में शामिल थीं। वर्तमान □ध्ययन क□लिए मिश्रित कार्यप्रणाली □नुसंधान डिजाइन को □पनाया गया था। संग्रह क□लिए प्राथमिक ड□टा सर्वेक्षण पद्धति का उपयोग किया गया था। शोधकर्ता न□सामाजिक-सांस्कृतिक संदर्भ और लैंगिक शासन पर प्रश्नावली का निर्माण किया और भावनात्मक खुफिया पर एक मानकीकृत उपकरण का उपयोग मात्रात्मक ड□टा संग्रह क□लिए किया गया था। गुणात्मक ड□टा संग्रह क□लिए संर□ित साक्षात्कार □नुसू□ी का उपयोग किया गया था। इस □ध्ययन की विश्वसनीयता सुनिश्चित करन□क□लिए, पायलट □ध्ययन स□वैधता का परीक्षण किया गया था और वांछित मूल्य प्रश्नावली और नमून□की विश्वसनीयता को संतुष्ट किया था। □ध्ययन क□उद्द□श्य क□बार□में निर्णायक खोज को लान□क□लिए विभिन्न मात्रात्मक तकनीकों पर काम किया गया। □ध्ययन क□निष्कर्षों स□पता □ला कि भावनात्मक बुद्धिमत्ता का लिंग शासन पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है ल□किन सामाजिक-सांस्कृतिक संदर्भ का लिंग पर नकारात्मक ल□किन महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है। शासन। निष्कर्ष निकालन□क□लिए, मुख्य □भियान को लैंगिक □समानताओं क□उन्मूलन क□लिए सरकार की पहल स□आना □ाहिए जो कि शासन में महिलाओं की उन्नति का मुख्य कारण है।

मुख्य शब्द: शासन शासन, सामाजिक-सांस्कृतिक संदर्भ, भावनात्मक बुद्धिमत्ता, शासन स्थिति और रूढ़ि।

ABSTRACT

Gendered governance is becoming significant dimension when inclusion and quality among higher educational institutions is considered. Conceptualising factors associated with gendered governance are vivid and interwoven in complexities of inter- sectionality and social structures.

The study was double fold, one to understand the socio- cultural context and emotional intelligence and another to have opinions of female faculties involved in governance among Central and State universities. The findings of the study not only offer strategies for overcoming challenges and career success but also shed in-depth knowledge on critical factors that affect women's governance role in higher education.

For this study the researcher took a sample of 60 female teachers who were involved in governance positions in higher educational institutions from two central universities and two state government universities of Haryana and Rajasthan. For the present study mixed methodology research design was adopted. For the collection of primary data survey method was used. The researcher constructed the questionnaires on socio-cultural context and gendered governance and on emotional intelligence a standardized tool was used for quantitative data collection. For qualitative data collection semi- structured interview schedule was used. To ensure the credibility of this study, test of validity had been done from the pilot study and desired value satisfied the credibility of the questionnaire and sample selected. Various quantitative techniques were carried on to bring about the conclusive finding on the objective of the study. The findings of the study revealed that the emotional intelligence has insignificant impact on the gendered governance but socio-cultural context have a

negative but significant impact on the gendered governance. To conclude, the main drive should come from government initiative for elimination of gender disparities which is main root cause of women advancement in governance.

Key words: Gendered governance, socio- cultural context, emotional intelligence, governance positions and stereotype.